

# गणेश आया रिद्धि सिद्धि लाया भजन लिरिक्स



गणेश आया रिद्धि सिद्धि लाया,  
भरया भण्डारा रहसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
[गुरु](#) मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

हल्दी का रंग पीला होसी,  
केशर कद बण जासी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

कोई खरीदे काँसी पीतल,  
सन्त शब्द लिख लेसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

खार समद बीच अमृत भेरी,  
सन्त घड़ो भर लेसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

खीर खाण्ड का अमृत भोजन,  
सन्त निवाला लेसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

कागा के गले पैप माला,  
हँसलो कद बण जासी ओ राम,  
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल  
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

ऊँचे टीले धजा फरुके,  
चौड़े तकिया रहसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

साध सन्त रल भेला बैठ,  
नुगरा न्यारा रहसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

शरण मछुन्दरजती गोरख बोल्या,  
टेक भेष की रहसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

---

गणेश आया रिद्धि सिद्धि लाया,  
भरया भण्डारा रहसी ओ राम,  
मिल्या सन्त उपदेशी,  
गुरु मायले री बाता कहसी ओ राम,  
म्हाने झीणी झीणी बाता कहसी।bd।

स्वर – विकासनाथ जी महाराज।

प्रेषक – सुभाष सारस्वा।

9024909170

---